दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 24.02.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 24.02.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 व 25 फरवरी 2025 को होने वाले दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

खेल प्रतियोगिता के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिह, सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह हमारे अन्दर मस्तिष्क की क्षमता को विकसित करने के साथ ही टीम वर्क का अवसर प्रदान करता है। साथ ही जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाते हुए हमें सकारात्मक रूप से सोचने, संघर्ष करने और जीतने की क्षमता प्रदान करते है। उन्होंने आगे कहा कि आज के भौतिकवादी युग ने हमारी सोच को संकीर्ण बना दिया है लेकिन शिक्षण संस्थाओं द्वारा खेलों का आयोजन करके विद्यार्थियों को निष्पक्ष सहिष्णु बना कर एक बेहतर मानव संसाधन देश को प्रदान करने का कार्य किया जाता है। हमारी शुभकामनाएँ है कि आप जीवन रूपी खेल में अपने हर पड़ाव पर विजय प्राप्त कर जीवन को सफल बनाये।

विशिष्ट अतिथि प्रो. सत्येन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग ने कहा कि दूसरे की जीत में भी खुशी होनी चाहिए क्योंकि हमें उस हार और जीत से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। विजय और पराजय महत्व नहीं रखता, बल्कि आपका उत्कृष्टता के साथ खेलों में प्रदर्शन महत्व रखता है।

खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के तहत आपको खेलना है। जहां प्रतिस्पर्धा का भाव होता है वहां सर्वोत्तम की उत्तरजीविता का नियम काम करता है। खेल वह माध्यम है जो नीरसता को समाप्त कर जीवन में उर्जा का संचार करता है जो शैक्षणिक सफलता के लिए भी आवश्यक है। वर्तमान जीवन शैली में जब मनुष्य अनेक रोगों से ग्रस्त हो रहा है ऐसे में खेलों का महत्व स्वतः बढ जाता है। खेल द्वारा न केवल हमारी दिनचर्या नियमित रहती है बल्कि ब्लड शुगर, उच्च रक्त चाप, मोटापा, हृदय रोग जैसी बीमारियों की संभावनाएँ कम रहती है। उन्होंने आगे कहा कि परम्परागत रूप से भारत में जो कहावत प्रचलित थी कि ''पढ़ोगें लिखोगें तो बनोगें नवाब, खेलोगें कूदोगें ता होगें खराब''। बदलते समय के साथ अब यह साबित हो गया है कि खेल मनुष्य के विकास में बाधक नही वरन् साधक हैं। खेलों के माध्यम से न सिर्फ स्वास्थ्य बल्कि रोजगार एवं यश तथा सम्मान भी प्राप्त होता है।

प्रस्ताविकी एवं स्वागत भाषण क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. परीक्षित सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा सचिव श्री अवधेश शुक्ल ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉ. नितीश शुक्ला ने किया।

खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में **800 मीटर दौड़ बालिका वर्ग** में नन्दनी मोदनवाल प्रथम, श्वेता शर्मा द्वितीय व साक्षी गौड़ तृतीय स्थान पर रहे तथा **बालक वर्ग** में शिव कुमार निषाद प्रथम, राजू गुप्ता द्वितीय तथा आकाश साहनी तृतीय स्थान प्राप्त किये। **400 मीटर दौड़ बालिका वर्ग** में श्वेता शर्मा प्रथम, नन्दनी मोदनवार द्वितीय व अंकिता पाल तृतीय स्थान पर रहे तथा **बालक वर्ग** में सूरज प्रथम, सतीश कुमार द्वितीय तथा आदर्श कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किये। **डिस्कस थ्रो बालिका वर्ग** में खुशी आदित्य प्रथम, जिज्ञासा यादव द्वितीय व खुशी साहनी तृतीय स्थान पर रहे तथा **बालक वर्ग** में आदर्श शुक्ल प्रथम, अभिनव त्रिपाठी द्वितीय तथा राम मदन निषाद तृतीय स्थान प्राप्त किये।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय में सभी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, मीडिया एवं जनसम्पर्क